रजिस्टडं नं0 HP/13/SML/2001.



## राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 30 श्रप्रेल, 2001/10 बंशाख, 1923

## हिमाचल प्रदेश सरकार

भाबकारी एवं कराधान विभाग

ग्रधिस्चना

शिमला-171009, 21 अप्रैल, 2001

संख्या 7-58/2000-ई0 एक्स0 एन0.—प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में तथा पंजाब पुनर्गठन ग्रिधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के ग्रिधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब ग्राबकारी ग्रिधिनियम, 1914 (1914 का पंजाब ग्रिधिनियम संख्यांक 1) की धारा 59 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 9 के ग्रिधांन ग्रीर इसके साथ पठित हिमाचल प्रदेश एक्साईज पावर्ज एण्ड अपील ग्रार्डरज, 1965 द्वारा मुझ में निहित वितायुक्त

(377)

की शिश्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, संजीत गुष्ता यातकारी एवं करात्रात प्रापुश्त, हिनावत प्रदेश एत्र्झारा हिमाचन प्रदेश लोकर लाईनैंत रूल्ज, 1966 (जिन्हें यहां उत्तके परतात् उत्ता रूल्ज कहा गा। है) में प्रयन अप्रेत, 2001 से निम्सलिखित और संशोजन करता हूं :--

## AMENDMENT

In sub-rule (3) of rule 38, existing clause (e) shall be substituted by the following, namely:—

"(e) The licensee shall obtain his supplies of liquor from the nearest L-2 Vend of his area out of duty prepaid stocks. However, if the brands required by the licensee are not available with the L-2 vend of the area, the Assit. Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer Incharge of the District may allow the supply of such brands from any of the L-1 Vend where such brands are available subject to payment of assessed fee prescribed under the rule."

हस्ताक्षरित/-ग्राबकारी एवं कराधान ग्रायुक्त, हिमाचल प्रदेश ।